थ्री-इडियट्स फिल्म में प्रस्तुत शिक्षा दर्शन

Dr.Sonal P. Patel
Assistant Professor,
Department of Hindi B.Ed.
Faculty of Education(IASE),
Gujarat Vidyapith, Ahmedabad-14

शिक्षा अविरत चलनेवाली सातत्यपूर्ण प्रक्रिया है । प्रवर्तमान शिक्षा परिपाटी में एकसूत्रता के अभाव के कारण लगभग सभी शैक्षिक क्षेत्रों में कई शिक्षा विषयक समस्याओं के दर्शन होते है । सांप्रत युग में समूह माध्यमों के द्वारा सामाजिक जागृतता का सुंदर कार्य हुआ है । फिल्मों के द्वारा प्रचार-प्रसार बहुत ही बढ़ा है । टेकनिकल शिक्षा का प्रमाण भी बढ़ा है, तब हरेक माता-पिता चाहते है कि अपना बालक इंजीनीयर या डॉक्टर बने, वो नहींसोचते की अपने बच्चें का विकास किन हालात में हुआ है ? बालक की इच्छाशक्ति क्या कार्य करनेवाली है ? केवल अन्य लोंगो को देखकर माता-पिता अपने बच्चे को पढ़ाते है । पर ये नहीं सोचते की बच्चे की अपनी अलग सोच होती है ।

बच्चे को पीढी के लक्षण मिलते है, पर रस, इच्छा, जिज्ञासा और कार्यशक्ति अपनी होती है उसके मुताबिक उसको अभ्यास में दाखिल करना चाहिए । किसीभी नवनिर्माण के लिए वातवरण महत्व का है । धर का वातावरण भी बालक के विकास के लिए महत्व का है । शिक्षा केवल मार्कशीट का कर्मकांड बना है, तब बच्चे में सर्जनात्मक शक्ति न हो वो स्वाभाविक है । शिक्षा के बोझ के कारण बच्चो में भय, मानसिक हताशा, चिंता के कारण आत्महत्या जैसी घटनाएँ रोज-बरोज सुनने को मिलती है, एसे समय में शिक्षा का दोष हर कोई निकालता है पर क्या करना चाहिए उसकी चिंता बहुत ही कम लोग करते है ।

इन सब बातों को ध्यान में रखकर थ्री-इडियट्स फिल्म में शिक्षा प्रक्रिया की दिशा-दशा प्रस्तुत की है । एसे समय में ये फिल्म कई संवादो, शिक्षा-शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावकों के व्यक्तिगत जीवन को छूती है
इस विषय के संदर्भ में अन्य साहित्य का भी अभ्यास किया गया था । जिससे गुजरात युनिवर्सिटी में 'ब्लेक' और'तारे जमी पर' फिल्मो का शैक्षिक अभ्यास किया गया था इसमे ये देखने को मिला था कि कृतनिश्चयी शिक्षक उसके विद्यार्थी के जीवन में आमूल परिवर्तन ला सकता है । सफल शिक्षा प्रक्रिया के लिए विद्यार्थी और शिक्षक के बीच तादात्मय भाव कडी रूप बनता है । उत्तर गुजरात युनिवर्सिटी में A WENDESDAYफिल्म का सामाजिक और शैक्षिक विवेचनात्मक अभ्यास विषय पर काम हुआ था जिसमें ये देखने को मिला कि समाज में भ्रष्टाचार और बदी को दूर करने की ओर संकेत किया गया था । लावारिस चीजे की ओर बच्चों को सभान होने की बात देखने को मिलती है । ये सच सोचकर प्रयोजिकाने थ्री-इडियट्स फिल्म पर काम करना पसंद किया ।

समस्या कथन और पारिभाषिक शब्दों की समझ :

शीर्षक:

EDUCATIONAL PHILOSOPHY EXPERSSED IN THE FILM THREE IDIOTS

थ्री-इडियट्स फिल्म में प्रस्तुत शिक्षा दर्शन

थ्री-इडियट्स फिल्म

व्यावहारिक व्याख्या :

थ्री-इडियट्स फिल्म में राजु हिरानी के द्वारा उच्च शिक्षा और टेकनिकल शिक्षा के विचारों को प्रस्तुत किया गया है ।

शिक्षा दर्शन

सैद्धांतिक व्याख्या :

शिक्षा यानि अध्यापन, शिक्षित करना, दर्शन यानि देखने की क्रिया, ज्ञान (भगवदोमंडल भाग-5,9)

व्यावहारिक व्याख्या

प्रस्तुत संशोधन में शिक्षा दर्शन के कई पक्ष जैसे कि शिक्षा और गुरु-शिष्य संबंध पर अभ्यास किया गया था ।

अभ्यास का महत्त्व :

थ्री-इडियट्स फिल्म में से निष्पन्न शऐक्षिक विचार, विद्यार्थीओ, अभिभावको और शिक्षको को उपयोगी होगा ।

शिक्षा बच्चों के विकास के महत्त्वपूर्ण योगदान देती है । अब बच्चों को केवल किताब के ज्ञान की आवश्यकता नही है लेकिन अनुभवलक्षी ज्ञान देने की आवश्यकता है । जिसमें शाला, शिक्षक, आचार्य, विद्यार्थी, अभिवाचक, शिक्षानीति का निर्माण करनेवाले सभी का प्रयास आवश्यक है । अनुभव की शिक्षा ही सच्ची शिक्षा है ।

अभ्यास के हेतु :

थ्री-इडियट्स फिल्म में प्रस्तुत शिक्षा के विचारों का अभ्यास करना ।

थ्री-इडियट्स फिल्म में निष्पन्न गुरु-शिष्य संबंध के बारे में अभ्यास करना ।

अभ्यास प्रश्न :

थ्री-इडियट्स फिल्म के आधार पर शिक्षा यानि क्या ?

थ्री-इडियट्स फिल्म के आधार पर उच्च शिक्षा में कैसी अध्यापन पद्धतिओ का उपयोग होता होगा ?

थ्री-इडियट्स फिल्म के आधार पर गुरु-शिष्य संबंध कैसा होगा ?

अभ्यास का क्षेत्र :

प्रस्तुत अभ्यास की क्षेत्र-मर्यादा

प्रस्तुत संशोधन में राजु हिरानी निदर्शित थ्री-इडियट्स फिल्म में से शिक्षा विषयक विचारो और व्यवहारो का ही अभ्यास किया गया है ।

प्राप्त हुई माहिती का गुणात्मक वर्गीकरण और विश्लेषण किया गया है । सांख्यिक और अंकास्त्रीय अर्थघटन किया गया नहीं है ।

दिग्दर्शक राजु हिरानी और आमीरखान की सभी फिल्मों के आधार शैक्षिक फलितार्थ नही लिया गया है ।

फिल्म की सर्वांगी समीक्षा करने के बजाय फसमें से शैक्षिक निर्देशोकी समीक्षा की गई है ।

अभ्यास का प्रकार :

प्रस्तुत संशोधन व्यवहारिक संशोधन है ।

अभ्यास का उपकरण और पद्धति:

प्रस्तुत संशोधन में संशोधकने थ्री-इडियट्स फिल्म की ओडियो-विडियो केसेट्स को साधन के रूप में स्वीकारा था और संशोधन में उसका उपयोग किया गया था ।

प्रस्तुत संशोधन थ्री-इडियट्स फिल्म की ओडियो-विडियो केसेट्स को माहिती की आधारशीला के रूप में स्वीकारा गया था । इस माहिती के विषयवस्तु का गुणात्मक पृथ्थकरण संशोधकने किया और बाद में संशोधन के परिणाम का विश्लेषण पद्धति के द्वारा किया गया ।

अभ्यास के तारण :

शिक्ष विषयक विचार :

थ्री-इडियट्स फिल्म के आधार पर शिक्षा यानि भविष्य के जीवन की नांव, आधार । शिक्षा एसी होनी चाहिए जो व्यक्ति की आंतरिक शक्तियों को विकसित करे और जीवनलक्षी ज्ञान प्रदान करे । शिक्षा का मुख्य उदेश्य व्यक्तिमें छीपे कौशल को विकसित करने का है ।

अध्यापन पद्धति विषयक विचार :

थ्री-इडियट्स फिल्म के आधार पर पद्धति एसी होनी चाहिए जो विद्यार्थीयो की जिज्ञासावृत्ति को प्रेरे और उस्मे छिपे हुए विविध कौशल्य को उजागर करे और शैक्षिक अनुभव प्रदान करे एसी होनी चाहिए । शिक्षा देने के लिए सिर्फ किताबी ज्ञान का सहारा नहीं लेना चाहिए इसके अलावा व्यावहारिक ज्ञान भी देना चाहिए । विद्यार्थीयों को अभ्यासक्रम के सीमांकन में नहीं बंधने चाहिए । अध्यापन पद्धति में क्रिया द्वारा शिक्षा को भी स्थान देना चाहिए ।

गुरु-शिष्य संबंध विषयक विचार :

थ्री-इडियट्स फिल्म के आधार पर गुरु-शिष्य का संबंध पिता-पुत्र समान होना चाहिए । गुरु को जहाँ तक संभव हो वहां तक दुर्गुणी से पर एसा निर्माण, पवित्र और निरांडबरी जीवन जीना चाहिए । शिष्य को भी गुरु के मानवीय दोषों को स्वीकार करने चाहिए और शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए । गुरु-शिष्य का संबंध पारस्परिक श्रद्धा के आधार पर होना चाहिए ।

शैक्षिक फलितार्थ :

शालासमाज को नजदीक लायें ऐसे कार्यक्रम का आयोजन करना ।

शाला में अभिवाचक संमेलन, इनाम वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित करके समाज के अन्य लोगों से सहकार लेने का प्रयत्न करना ।

विद्यार्थीयों के साथ व्यक्तिगत, भावात्मक संबंधो स्थापित करना ।

विद्यार्थीयों की क्षमता को जानकर शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन देना ।

प्रस्तुत संशोधन में थ्री-इडियट्स फिल्म के शैक्षिक विचारो का अभ्यास किया गया था । जिसमें शिक्षा विषयक और गुरु-शिष्य संबंध विषयक विचारों का अभ्यास किया गया था । ऐसे प्रकार की माहिती एकत्रित करनेके लिए थ्री-इडियट्स फिल्म की ओडियो-विडियो केसेट के आधार के रूप में स्वीकारा गया था जिसमे आवश्यक माहिती के फोटो और संवाद सह गुणात्मक स्वरूप विषयवस्तु विश्लेषण से किया गया था ।

संदर्भसूचि

ઉચાટ, ડી.એ. (2005). *संशोधन दर्शन* રાજકોટ :શિક્ષણશાસ્ત્ર ભવન, સૌરાષ્ટ્ર યુનિવર્સિટી.
ઉચાટ, ડી.એ. (2006). *गुणात्मक संशोधन* રાજકોટ :શિક્ષણશાસ્ત્ર ભવન, સૌરાષ્ટ્ર યુનિવર્સિટી.
ભગવતસિંહજી (2007) ભગવદ્ગોમંડલ, રાજકોટ : પ્રવીણ પ્રકાશન

लघुशोधनिबध

ચોપડા, જાવેદ એમ. (2009). 'બ્લેક' અને 'તારે ઝમીન પર'હિન્દી ફિલ્મોની શૈક્ષણિક નિસબત અને ફલિતાર્થોએમ.એડ્., લઘુશોધ નિબંધ, ગુજરાત યુનિવર્સિટી, અમદાવાદ
ગોહિલ મયુર એ. (2009). 'A Wednesday' ફિલ્મનો સામાજિક અને શૈક્ષણિક વિવેચનાત્મક અભ્યાસ. એમ.એડ્. લઘુશોધનિબંધ, ઉત્તર ગુજરાત યુનિવર્સિટી પાટણ.